अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 321 | श्री विजय पुरम, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रुपए

44वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2025 में अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन का शानदार प्रदर्शन

अण्डमान निकोबार पैवेलियन को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार, स्वच्छ पैवेलियन पुरस्कार और विशेष प्रशंसा पदक मिला

श्री विजय पुरम, 27 नवम्बर

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन ने 14 से 27 नवंबर, 2025 तक आयोजित 44वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) 2025 में प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई तथा अपने उत्कृष्ट पैवेलियन के लिए कई सम्मान प्राप्त किए।

31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, 61 केंद्रीय मंत्रालयों और 2000 से अधिक प्रदर्शकों के बीच प्रतिस्पर्धा करते हुए, अण्डमान तथा निकोबार पैवेलियन अपनी रचनात्मकता, प्रस्तुति और स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता के लिए सबसे अलग रहा। प्रशासन के नवाचार और गुणवत्ता के प्रति समर्पण को मान्यता देते हुए, पैवेलियन को प्रदर्शन में उत्कृष्टता पुरस्कार, स्वच्छ पैवेलियन पुरस्कार और एक विशेष प्रशंसा पदक से सम्मानित किया गया।

ये पुरस्कार एक विशेष समारोह में प्रदान किए गए, जिसमें भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) के प्रबंध निदेशक मुख्य अतिथि थे। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन की ओर से श्री राजेश चोपड़ा (आईएएस), सचिव (ग्रामीण विकास) ने सम्मान प्राप्त किया।

सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक विरासत और सतत विकास पहलों के मिश्रण के लिए प्रसिद्ध अण्डमान तथा निकोबार पैवेलियन ने आईआईटीएफ 2025 में अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से एक बार फिर राष्ट्रीय मंच पर द्वीपसमूह की अनूठी पहचान की पुष्टि की है।

दक्षिण अण्डमान ज़िले की ज़िला विकास समन्वय और निगरानी समिति एवं 'दिशा' की बैठक हुई

श्री विजय पुरम, 27 नवंबर

दक्षिण अण्डमान ज़िले की ज़िला विकास समन्वय और निगरानी समिति (डीडीसीएमसी)/'दिशा' की बैठक अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय सांसद श्री बिष्णु पद राय की अध्यक्षता में दक्षिण अण्डमान ज़िला परिषद के सम्मेलन हॉल में आयोजित की गई। बैठक में दक्षिण अण्डमान के उपायुक्त श्री अर्जुन शर्मा, संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में केंद्र सरकार, केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन और स्थानीय निकायों की भूमिकाओं को नियंत्रित करने वाले संवैधानिक ढाँचे के भीतर विकासात्मक पहलों की निगरानी में सुधार लाने पर ज़ोर दिया गया। माननीय सांसद ने दक्षिण अण्डमान की विकासात्मक प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए सहयोगात्मक शासन और सरकारी योजनाओं के समय पर क्रियान्वयन के महत्व पर ज़ोर दिया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सत्र के दौरान, विभागों ने समिति को सभी प्रमुख योजनाओं के उद्देश्यों और समय–सीमाओं से अवगत कराया, जिनमें शुभारंभ तिथि, लक्ष्य और अब तक की प्रगति शामिल थी। पिछले पाँच वर्षों में ज़िलावार वित्तीय और भौतिक उपलब्धियों पर एक विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई। विभिन्न प्रमुख कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रस्तावित और आगामी परियोजनाओं की समीक्षा की गई, जिसमें उनकी वर्तमान स्थिति, चुनौतियों और कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए आवश्यक कदमों पर विशेष ध्यान दिया गया।

माननीय सांसद ने सभी योजनाओं की स्थिति की व्यापक समीक्षा की और कार्यकुशलता में सुधार, निगरानी तंत्र को सुदृढ़ बनाने और जनता तक लाभों का प्रभावी वितरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बहुमूल्य सुझाव और जानकारी प्रदान की। दिए गए सुझावों को ध्यान में रखते हुए, यह निर्णय लिया गया कि प्रगति का आकलन करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि सुधारात्मक उपायों का प्रभावी ढंग से कार्यान्वयन के लिए 'दिशा' बैठक की अनुवर्ती समीक्षा बाद में आयोजित की जाएगी।

24वीं राज्य स्कूल खेलों और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए 9वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आज से

श्री विजय पुरम, 27 नवम्बर।

शिक्षा विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन 28 नवंबर से 1 दिसंबर तक नेताजी स्टेडियम खेल परिसर में 24वीं राज्य स्कूल खेलों और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए 9वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन करेगा। इस महा आयोजन में कुल 990 प्रतिभागियों और 250 से अधिक अधिकारियों के भाग लेने की उम्मीद है।

उद्घाटन समारोह कल (28 नवंबर) शाम 4 बजे होगा। इसमें नौ प्रतिभागी क्षेत्रों द्वारा रंगारंग मार्च–पास्ट, राजकीय बालक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय और राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों द्वारा एरोबिक नृत्य प्रस्तुति, और उसके बाद एथलेटिक स्पर्धाएँ और बैडमिंटन मैच होंगे।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के मुख्य सचिव डॉ. चंद्र भूषण कुमार (आईएएस) मुख्य अतिथि होंगे तथा कल सुबह 8 बजे सचिवालय से मशाल प्रज्ज्वलित करेंगे।

शेष पृष्ठ 4 पर

"आपकी पूंजी आपका अधिकार"

एसबीआई में निष्क्रिय जमा राशि के निपटान हेतु सुविधा शिविर आज

श्री विजय पुरम, 27 नवंबर

राष्ट्रव्यापी पहल 'आप की पूंजी, आप का अधिकार' के भाग के रूप में, केंद्र शासित प्रदेश स्तरीय बैंकर्स समिति (यूटीएलबीसी), अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह द्वारा 28 नवंबर को शाम 3 बजे से यहां के मोहनपुरा स्थित एसबीआई आरएसईटीआई, दूसरी मंजिल, एसबीआई कॉम्प्लेक्स के कॉन्फ्रेंस हॉल में एक महा सुविधा शिविर का आयोजन किया जा रहा है, ताकि नागरिकों को उनकी लंबे समय से लंबित वित्तीय संपत्तियों का पता लगाने और उन्हें पुनः प्राप्त करने में मदद मिल सके। यह शिविर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और आईआरडीएआई और सेबी जैसे वित्तीय क्षेत्र के नियामकों के समन्वय में वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) द्वारा शुरू किए गए तीन महीने के जागरूकता सह संवितरण अभियान का हिस्सा है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस शिविर का उद्देश्य विभिन्न वित्तीय संस्थानों में रखी दावा रहित बैंक जमा, निष्क्रिय बीमा राशि, निष्क्रिय

शेष पृष्ठ 4 पर

जीएसटी 2.0 के अंतर्गत दर परिवर्तन के बावजूद नई दरों का अनुपालन नहीं कर रहे हैं कई व्यवसाय

जीएसटी विभाग द्वारा उल्लंघनकर्ताओं से जुर्माना वसूला गया, अनुपालन नहीं करने पर जीएसटी कानून के अनुसार दंड की चेतावनी

श्री विजय पुरम, 27 नवंबर

जीएसटी 2.0 द्वारा हाल ही में शुरू किए गए दर परिवर्तनों के बाद, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के जीएसटी विभाग ने पाया है कि क्षेत्र में कई व्यवसाय अभी भी अद्यतन जीएसटी दरों, विनियमों और छूटों का अनुपालन नहीं कर रहे हैं, जबकि परिवर्तन लागू होने के बाद से पर्याप्त समय बीत चुका है। इसके जवाब में, यूटीजीएसटी आयुक्त के नेतृत्व में, टीमें 22 सितंबर, 2025 से श्री विजय पुरम में व्यवसायों का आकस्मिक निरीक्षण कर रही हैं। इन जाँचों के दौरान, जहाँ भी विसंगतियाँ पाई जाती हैं, वहाँ मौके पर ही जुर्माना लगाया जा रहा है। जीएसटी विभाग ने जीएसटी के नियमों का पालन न करने वाले व्यवसायों से कुल 3.63 लाख रुपये का जुर्माना वसूला है। यह अभियान संशोधित जीएसटी नियमों के उचित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए जारी रहेगा, ताकि ग्राहकों को नए बदलावों का अपेक्षित लाभ मिल सके।

यूटीजीएसटी विभाग द्वारा जारी विज्ञप्ति में सभी व्यवसायों को याद दिलाया जाता है कि जीएसटी विभाग द्वारा निर्धारित नियमों और विनियमों का पालन करना अनिवार्य है। अनुपालन न करने पर जीएसटी कानून के अनुसार दंड लगाया जाएगा। यदि कोई निवासी या व्यवसाय गैर–अनुपालन के संबंध में शिकायत दर्ज़ करना चाहता है, या केंद्र शासित प्रदेश अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में जीएसटी दरों या उनके कार्यान्वयन के बारे में स्पष्टीकरण चाहता है, तो उन्हें 9595359698 पर व्हाट्सएप के माध्यम से विभाग से संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

C M Y K

द्वीपीय पारिस्थितिकी तंत्र की तटीय एवं समुद्री जैव विविधता पर प्रशिक्षण कार्यशाला आरम्भ

श्री विजय पुरम, 27 नवम्बर

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित "वानिकी प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास" के अंतर्गत अन्य सेवाओं के कार्मिकों के लिए द्वीपीय पारिस्थितिकी तंत्र की तटीय एवं समुद्री जैव विविधता पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आज यहाँ भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (ज़ेडएसआई) के सम्मेलन कक्ष में शुरू हुई। जेडएसआई की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कार्यशाला में विभिन्न विभागों से कुल 20 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जो 29 नवंबर तक जारी रहेगी। ज़ेडएसआई, अण्डमान तथा निकोबार क्षेत्रीय केंद्र और द्वीपीय जैव विविधता पर ईआईएसीपी केंद्र द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. कैलाश चंद्र, पूर्व निदेशक, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार ने किया।

अपने उद्घाटन भाषण में, डॉ. कैलाश चंद्र ने इस द्वीपसमूह को विश्वव्यापी महत्व का एक जैविक स्वर्ग बताया। उन्होंने प्रवाल भित्तियों, समुद्री घास की क्यारियों, मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्रों और लेदरबैक समुद्री कछुओं के घोंसले के स्थलों के जैविक महत्व पर चर्चा की और साथ ही जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न बढ़ते खतरों, जैसे समुद्र के बढ़ते स्तर, पर भी प्रकाश डाला।

इससे पहले, डॉ. सी. शिवपेरुमन, वैज्ञानिक–एफ और पाठ्यक्रम निदेशक, जेडएसआई, अण्डमान तथा निकोबार क्षेत्रीय केंद्र ने सभा का स्वागत किया और तीन दिवसीय कार्यशाला के उद्देश्यों को रेखांकित किया, जिसमें दो दिनों के कक्षा–आधारित तकनीकी सत्र शामिल थे, जिसके बाद बर्मानाला और चिड़ियाटापू जैविक उद्यान में अंतर्ज्वारीय जीवों का क्षेत्र दौरा किया गया। तकनीकी सत्र विशेषज्ञ व्याख्यान की एक श्रृंखला के साथ शुरू हुआ, यानी डॉ. सी. शिवपेरुमन ने द्वीप जैव विविधता और संरक्षण का अवलोकन प्रस्तुत किया, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की समुद्री जैव विविधता, डॉ. जय सुंदर, निदेशक, आईसीएआर–केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने "तटीय कृषि–जैव विविधता, महत्व और चुनौतियाँ" पर व्याख्यान दिया; श्री जोजू पी. अलाप्पट्ट, आईएफएस, उप वन संरक्षक, पर्यावरण और वन विभाग, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह ने "अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह का मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्रः विशेषताएं, वितरण, महत्व और खतरे" पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

मंगलूटान में किसान सहकारी खेती की ओर अग्रसर

श्री विजय पुरम, 27 नवंबर

पशुधन क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, पशु चिकित्सा औषधालय, मंगलूटान, दक्षिण अण्डमान में बैठक–सह–जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में डेयरी और पोल्ट्री किसानों की सहकारी समितियों का गठन करना था।

कार्यक्रम का आयोजन एसवीओ, मंगलूटान द्वारा किया गया था और इसमें 26 स्थानीय किसानों के साथ–साथ वरिष्ठ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर हम्फ्रीगंज के ग्राम प्रधान श्री पलनी कुमार, पंचायत समिति सदस्य श्रीमती कविता देवी, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ श्रीमती नमिता सिंह और विभाग के अन्य एसवीओ उपस्थित थे।

किसानों को संबोधित करते हुए, वरिष्ठ पशुचिकित्सा अधिकारी ने सहकारी समितियों के गठन के लाभों पर प्रकाश डाला, जिनमें सामूहिक विपणन, बेहतर आय के अवसर और सरकारी योजनाओं तक पहुँच शामिल है। एक अन्य वरिष्ठ पशुचिकित्सा अधिकारी ने अंडा उत्पादन के लिए बटेर पालन की भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की और पर्यटकों और मुख्यभूमि में इसकी बढ़ती मांग की ओर इशारा किया। एक अन्य वरिष्ठ पशुचिकित्सा अधिकारी ने पशुधन के आनुवंशिक सुधार में भ्रूण स्थानांतरण तकनीक (ईटीटी) की

भूमिका और महत्व को समझाया और प्रतिभागियों को लागत–प्रभावी और पोषक तत्वों से भरपूर आहार समाधान के रूप में अज़ोला और हाइड्रोपोनिक चारा उत्पादन के बारे में भी शिक्षित किया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम के एक प्रमुख परिणाम के रूप में, इंदिरा नगर निवासी श्रीमती मीनाक्षी को पोल्ट्री सहकारी समिति का मुख्य प्रवर्तक नियुक्त किया गया, जबकि श्री भूदेव विश्वास को डेयरी सहकारी समिति का मुख्य प्रवर्तक नियुक्त किया गया। दोनों समितियों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। किसानों ने काफी उत्साह दिखाया और इस पहल का स्वागत किया, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने तथा क्षेत्र में स्थायी आजीविका के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

आरआईएमसी की प्रवेश परीक्षा 7 दिसम्बर को

श्री विजय पुरम, 27 नवंबर

राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज, देहरादून से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जनवरी, 2026 सत्र के लिए आरआईएमसी की प्रवेश परीक्षा 7 दिसंबर, 2025 (रविवार) को टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय, श्री विजय पुरम में आयोजित की जाएगी।

परीक्षा के विस्तृत कार्यक्रम के अनुसार गणित सुबह 9.30 बजे से सुबह 11 बजे तक, सामान्य ज्ञान दोपहर 12 बजे से दोपहर 1 बजे तक और अंग्रेजी दोपहर 2.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक निर्धारित है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले पात्र अभ्यर्थियों को टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय के प्राचार्य के समक्ष 7 दिसंबर, 2025 (रविवार) को सुबह 8.30 बजे कॉलेज में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया जाता है। इस परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों को अलग से कोई सूचना पत्र जारी नहीं किया जाएगा।

एमवी स्वराज द्वीप 29 नवम्बर को आएगा

श्री विजय पुरम, 27 नवंबर

चेन्नई से रवाना हुए जहाज़ एमवी स्वराज द्वीप के 29 नवंबर, 2025 को सुबह 6 बजे श्री विजय पुरम पहुंचने की उम्मीद है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार जहाज़ पर कुल यात्री 101 वयस्क, कुल माल 379 मीट्रिक टन, 30 कंटेनर है। श्री विजय पुरम पहुंचने पर जहाज़ को हैडो घाट पर लगेगा और यात्रियों को तुरंत उतार दिया जाएगा।

एसबीआई में निष्क्रिय जमा राशि

——पृष्ठ 1 का शेष

म्यूचुअल फंड और लाभांश आय, दावा रहित शेयर और अन्य दावा रहित या निष्क्रिय वित्तीय संपत्तियों के निपटान की सुविधा प्रदान करना है। राष्ट्रव्यापी अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नागरिकों द्वारा बचाए गए प्रत्येक रुपये पर उनके या उनके कानूनी उत्तराधिकारियों और नामांकित व्यक्तियों द्वारा उचित दावा किया जा सके। इस पहल का उद्देश्य दावा न की गई जमा राशि के निपटान में तेजी लाना और निष्क्रिय वित्तीय संपत्तियों को पुनः प्राप्त करने के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक, आरबीआई, आईआरडीएआई, एलआईसी इंडिया और सभी बैंकों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह में बैंकों द्वारा 31 अगस्त, 2025 तक प्रस्तुत किए गए आंकड़ों के अनुसार, 74,487 खातों में कुल 44.69 करोड़ रुपये जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता निधि (डीईए) में निष्क्रिय पड़े हैं। शिविर के दौरान, निष्क्रिय जमा राशि, बीमा दावों, म्यूचुअल फंड इकाइयों, पेंशन देयों तथा अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों से संबंधित पात्र दावों का मौके पर ही सत्यापन और निपटान किया जाएगा।

केंद्रीय प्रबंधक, केंद्र शासित प्रदेश स्तरीय बैंकर्स समिति, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि समिति ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह के नागरिकों से व्यापक सहभागिता करने और इस जनकल्याणकारी पहल का लाभ उठाने की अपील की है।

24वीं राज्य स्कूल खेलों और विशेष

——पृष्ठ 1 का शेष

Athletic events for CwSN to be held on 28.11.2025			
DATE	TIME	EVENT	GROUP
28.11.2025	05:00 PM	100 MTRS	ID BOYS FINAL
28.11.2025	05:10 PM	100 MTRS	ID GIRLS FINAL
28.11.2025	05.20 PM	LONG JUMP	HI BOYS FINAL
28.11.2025	05:30 PM	LONG JUMP	HI GIRLS FINAL
28.11.2025	05.40 PM	BALL THROW	ID BOYS FINAL
28.11.2025	05.50 PM	BALL THROW	ID GIRLS FINAL
28.11.2025	06.00 PM	DISC THROW	HI BOYS FINAL
28.11.2025	06.10 PM	DISC THROW	HI GIRLS FINAL
Athletic events for XXIV SSG to be held on 28.11.2025			
28.11.2025	04.50 PM	100 MTS SPRINT	BOYS FINAL
28.11.2025	04.55 PM	200 MTR SPRINT	GIRLS FINAL
28.11.2025	05.30 PM	SHOT PUT	BOYS FINAL
28.11.2025	06.00 PM	SHOT PUT	GIRLS FINAL
28.11.2025	05.30 PM	DISCUS THROW	GIRLS FINAL
28.11.2025	06.00 PM	DISCUS THROW	BOYS FINAL
28.11.2025	05.30PM	LONG JUMP	BOYS FINAL
28.11.2025	06.00 PM	LONG JUMP	GIRLS FINAL
28.11.2025	06.15 PM	400 MTR SPRINT	GIRLS FINAL
28.11.2025	06.30 PM	400 MTR SPRINT	BOYS FINAL

जीपीडीपी की तैयारी, कार्यान्वयन और ई–जीएस पोर्टल पर अपलोड करने पर प्रशिक्षण संचालित

श्री विजय पुरम, 27 नवंबर

यहां के प्रोथरापुर में 26 नवम्बर, 2025 को सामुदायिक विकास खंड, प्रोथरापुर ने ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) की तैयारी और कार्यान्वयन तथा उसे ई–जीएस पोर्टल पर अपलोड करने पर केंद्रित व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत स्तर पर प्रभावी योजना और क्रियान्वयन को सुदृढ़ करने के लिए अधिकारियों, तकनीकी विशेषज्ञों और क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं को एक साथ लाया गया। सत्र की शुरुआत विस्तार अधिकारी श्री मणिकंडन नायर के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने ज़मीनी स्तर पर विकास के लिए संरचित योजना के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके बाद, सुश्री सुनीता दास, डोमेन विशेषज्ञ–ग्रामीण विकास ने विषयगत जीपीडीपी तैयारी के अवलोकन पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसमें समग्र विकास योजना के लिए लोगों की भागीदारी और क्षेत्रवार आवश्यकता मूल्यांकन पर ज़ोर दिया गया। पंचायत समिति की एओ श्रीमती एन.जी. संध्या ने जीपीडीपी में वित्तीय प्रबंधन पर प्रतिभागियों को संबोधित किया, जिसमें धन प्रवाह, बजट और जवाबदेही तंत्र पर चर्चा की गई। एमआईएस सहायक (आरजीएसए) द्वारा एक लघु वीडियो भी दिखाया गया, जिसमें आरजीएसए ढांचे के तहत जीपीडीपी कार्यान्वयन में सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रदर्शित किया गया। कनिष्ठ अभियंता (पंचायती राज संस्था) ने तकनीकी व्यवहार्यता और गुणवत्ता मानकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए कार्य योजनाओं के क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की। सुश्री तन्वी, डोमेन विशेषज्ञ, एसडी ने ई–जीएस पोर्टल पर जीपीडीपी अपलोड करने की प्रक्रियाओं और दिशानिर्देशों की व्याख्या की, जिससे पंचायतों द्वारा समय पर और सटीक प्रस्तुति सुनिश्चित हो सके। क्लस्टर समन्वयक ने जीपीडीपी में ग्राम गरीबी न्यूनीकरण योजना (वीपीआरपी) के महत्व पर उपस्थित लोगों को संबोधित किया और योजना ढाँचे में समुदाय–संचालित प्राथमिकताओं को एकीकृत करने में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार श्रीमती शिवा, जेई (विद्युत विभाग) ने जीपीडीपी पर ग्रामीण विद्युतीकरण के बारे में भी विस्तार से बताया, और उन्होंने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी, जिसमें इसके लाभ, पात्रता मानदंड और छत पर सौर ऊर्जा स्थापना के माध्यम से मुफ्त बिजली के लिए आवेदन प्रक्रिया पर प्रकाश डाला गया।

फरारगंज में बाल सभा के माध्यम से बाल आवश्यकताओं के समाधान पर प्रशिक्षण हुआ

श्री विजय पुरम, 27 नवंबर

खंड विकास कार्यालय, फरारगंज, दक्षिण अण्डमान ने 27 नवंबर, 2025 को सीएमटीसी भवन, फरारगंज में बाल सभा के माध्यम से बाल आवश्यकताओं के समाधान पर खंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में पंचायत पदाधिकारियों, बाल संरक्षण समिति के सदस्यों और छात्रों सहित 69 सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रतिभागियों के पंजीकरण के साथ हुई, जिसके बाद फरारगंज की खंड विकास अधिकारी श्रीमती ललिता टिग्गा ने स्वागत भाषण दिया, जिसमें उन्होंने समुदाय आधारित बाल संरक्षण प्रणालियों को मजबूत करने के महत्व पर बल दिया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रथम तकनीकी सत्र का संचालन ज़िला बाल संरक्षण इकाई (डीसीपीयू) की संरक्षण अधिकारी श्रीमती सुमन शैलजा बारला ने किया, जिन्होंने बाल सभा के उद्देश्यों और ज़मीनी स्तर पर बच्चों से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए सहभागी मंचों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। सुश्री साक्षी साहा, बीपीएम द्वारा एक गतिविधि–आधारित शिक्षण सत्र का संचालन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने संचार और टीमवर्क अभ्यास में भाग लिया। सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए विजेता टीम को पुरस्कार वितरित किए गए।

इसके बाद श्रीमती एग्नेस, उप निरीक्षक, थाना ओग्राब्राज ने एक सत्र आयोजित किया, जिसमें उन्होंने प्रतिभागियों को साइबर अपराध और पोक्सो अधिनियम के प्रावधानों के बारे में जागरूक किया तथा बच्चों के लिए सुरक्षा उपायों और कानूनी सुरक्षा उपायों पर प्रकाश डाला। इसके बाद डीसीपीयू की विधि–सह–परिवीक्षा अधिकारी श्रीमती संध्या द्वारा संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने बेहतर समझ के लिए व्यावहारिक, वास्तविक समय के उदाहरणों का उपयोग करते हुए बाल विवाह अधिनियम और पोक्सो अधिनियम 5 सहित बच्चों से संबंधित कानूनों की व्याख्या की। कार्यक्रम का समापन श्रीमती ललिता टिग्गा, बीडीओ, फरारगंज के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

"नाव इंजन के रखरखाव और मछली पकड़ने के अभ्यास" पर प्रशिक्षण संपन्न

कैम्पबेल बे, 27 नवंबर

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के मत्स्य विभाग ने केंद्रीय मत्स्य नाविक एवं अभियांत्रिकी प्रशिक्षण संस्थान (सिफनेट) के सहयोग से कैंपबेल बे के मछुआरों के लिए "नाव इंजन का रखरखाव और मात्स्यिकी अभ्यास" विषय पर व्यापक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के अंतर्गत आयोजित और राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (एनएफडीबी) द्वारा वित्त पोषित यह कार्यक्रम स्थानीय मछुआरों की तकनीकी क्षमता और मात्स्यिकी कौशल को सुदृढ़ करने के लिए 24 नवंबर, 2025 को शुरू हुआ। प्रशिक्षण में कुल 25 मछुआरों ने भाग लिया, जिसमें सैद्धांतिक सत्र और व्यावहारिक प्रदर्शन दोनों शामिल थे। अंतिम दिन, 26 नवंबर, 2025 को, प्रतिभागियों को नाव के इंजन के रखरखाव, दोषों की पहचान, समस्या निवारण तकनीकों और विभिन्न स्थायी एवं कुशल मछली पकड़ने की प्रथाओं से परिचित कराया गया। सत्रों का संचालन अनुभवी सिफनेट संकाय सदस्यों द्वारा किया गया, जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि प्रत्येक प्रतिभागी को सुरक्षित और उत्पादक मछली पकड़ने के संचालन के लिए आवश्यक

व्यावहारिक, क्षेत्र–उन्मुख ज्ञान प्राप्त हो। समापन सत्र के दौरान, निकोबार की सहायक मत्स्य निदेशक श्रीमती ग्लोरी ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया और निरंतर प्रशिक्षण, आधुनिक मात्स्यिकी तकनीकों और बेहतर आजीविका के अवसरों के माध्यम से मछुआरों को सशक्त बनाने के लिए विभाग की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को कार्यक्रम के दौरान प्राप्त ज्ञान को लागू करने और इसे अपने मछुआरा समुदायों के साथ साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का समापन गणमान्य व्यक्तियों, सिफनेट प्रशिक्षकों, मत्स्य विभाग के अधिकारियों तथा तीन दिवसीय कार्यक्रम के प्रभावी समापन में योगदान देने वाले सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

जेएनआरएम में दस दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम शुरू

श्री विजय पुरम, 27 नवम्बर।

यहां के जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम) ने राष्ट्रीय टेली–मानस कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य स्वास्थ्य समिति के सहयोग से आज से अपने संस्थान में व्यापक 10–दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम शुरू किया। यह दस दिवसीय कार्यक्रम 27 नवंबर से 8 दिसंबर तक चलेगा। टेली–मानस और अनिम्स/जीबी पंत अस्पताल के मनोचिकित्सा विभाग के नैदानिक मनोवैज्ञानिकों, परामर्शदाताओं और मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ताओं की एक टीम प्रबंधन, भावनात्मक विनियमन, सामना करने की रणनीतियों और प्रारंभिक सहायता–प्राप्ति व्यवहार पर संरचित सत्र आयोजित करेगी।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सत्र में 18 विभागों के सभी छात्र, साथ ही छात्र और छात्रा छात्रावास के छात्र भी शामिल होंगे। पहले दिन के सत्र में भूगोल और वनस्पति विज्ञान विभागों के छात्र शामिल हुए। अपने उद्घाटन भाषण में, जेएनआरएम की प्राचार्या डॉ. पर्ल देवदास ने आशा व्यक्त की कि यह पहल परिसर में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को मज़बूत करेगी। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि छात्रों को आवश्यक जीवन कौशल से लैस करने से एक सुरक्षित और सहायक शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित होगा। इस 10–दिवसीय कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. दीपोन शर्मा, विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान और सदस्य, मानसिक स्वास्थ्य समिति, जेएनआरएम द्वारा किया जा रहा है।

जेएनआरएम के इतिहास विभाग द्वारा हेरिटेज वॉक आयोजित किया गया

श्री विजय पुरम, 27 नवम्बर।

यहां के जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम) के इतिहास विभाग ने श्री विजय पुरम के आसपास की ऐतिहासिक धरोहरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उनकी सराहना करने के लिए हाल ही में विश्व धरोहर सप्ताह के एक भाग के रूप में हेरिटेज वॉक का आयोजन किया। हेरिटेज वॉक फ्लैग प्वाइंट से शुरू होकर अबर्डीन मेमोरियल देखने के लिए वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स होते हुए नेताजी स्टेडियम में समाप्त हुई और बाद में छात्रों ने वीर सावरकर पार्क का भी दौरा किया। छात्रों ने सीखने और ऐतिहासिक घटनाओं पर ध्यान देने में गहरी रुचि दिखाई है और हमारे स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा छोड़ी गई विरासत की सराहना की है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार हेरिटेज वॉक का आयोजन जेएनआरएम के प्रिंसिपल डॉ. पर्ल देव दास के मार्गदर्शन में किया गया, जिन्होंने छात्रों से हमारे स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दिए गए

बलिदानों की सराहना की और उन्हें आत्मसात करने को कहा। इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष (प्रभारी) डॉ. आर.वी.आर. मूर्ति ने हेरिटेज सप्ताह के महत्व और ऐतिहासिक स्थलों, विशेष रूप से सेल्यूलर जेल और शहर में और उसके आसपास की इमारतों और स्थलों के संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के बारे में चर्चा की। इस कार्यक्रम में लगभग 100 छात्रों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन
सचिवालय
श्री विजयपुरम, दिनांक 27 नवम्बर, 2025

अधिसूचना

सं.... फा. सं.34–710/2025–राजस्व । चूंकि, उप–राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह भू–राजस्व एवं भूमि सुधार विनियम,1966 की धारा 48(1) के तहत दिनांक 20/07/2011 के अधिसूचना सं. 34–710/2011–राजस्व द्वारा उसमें विनिर्दिष्ट स्थानीय क्षेत्र का राजस्व सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया है।

और चूंकि, उक्त अधिसूचना में सम्मिलित दक्षिण अण्डमान जिला के फरारगंज तहसील के अंतर्गत गुप्तापाड़ा गाँव का उक्त राजस्व सर्वेक्षण विधिवत पूरा हो चुका है।

अब इसलिए, उप–राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह एतद्द्वारा अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह भू–राजस्व एवं भूमि सुधार विनियम,1966 की धारा 48(1) के तहत दक्षिण अण्डमान जिला के फरारगंज तहसील के अंतर्गत गुप्तापाड़ा गाँव के राजस्व सर्वेक्षण से संबन्धित कार्य का तत्काल प्रभाव से समाप्ति की घोषणा करते हैं।

उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के आदेश से तथा उनके नाम पर
ह./–
सहायक सचिव (राजस्व)

ग्राम पंचायत कार्यालय
मन्नारघाट, दक्षिण अण्डमान

दुकान आबंटन सूचना

ग्राम पंचायत मन्नारघाट, फरारगंज तहसील, दक्षिण अण्डमान, निविदा संख्या (Tender ID) 8-00/GPMG/Auction/2025-26/530 के तहत किराये के आधार पर 05 कमरों (व्यावसायिक/व्यापारिक उद्देश्य के लिए) के लिए बोलीदाताओं को आमंत्रित करता है।

इच्छुक बोलीदाता (प्रतिभागी को ग्राम पंचायत मन्नारघाट का सामान्य निवासी होना चाहिए, जैसा कि अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह (पंचायत) विनियमन 1994 की धारा 4(2) के तहत परिभाषित किया गया है) किराये के आधार पर कमरा प्राप्त करने के लिए नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं।

सभी संबंधितों को सूचित किया जाता है कि इच्छुक दावेदार 30 दिसंबर 2025 को सुबह 10.30 बजे पंचायत भवन, मन्नारघाट में उपस्थित रहें।

आबंटन बोली के माध्यम से सुरक्षा जमा (Security Deposit) की उच्चतम बोली राशि के आधार पर किया जाएगा, बशर्ते 1 महीने का किराया जमा किया जाए (यदि सफल बोलीदाता बोली की तारीख से 10 दिनों के भीतर बोली राशि जमा करने से मना करता है, तो यह राशि जब्त कर ली जाएगी)।

बोली में भाग लेने के लिए नियम और शर्तें तथा फॉर्म ग्राम पंचायत कार्यालय, मन्नारघाट में सभी कार्य दिवसों पर 29 दिसंबर 2025 तक सुबह 10.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक उपलब्ध हैं। इच्छुक पक्ष पंचायत कार्यालय में रु. 100/– रुपये (केवल एक सौ रुपये) का भुगतान करके इसे प्राप्त कर सकते हैं।

भाग लेने के फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 29 दिसंबर, 2025 को दोपहर 12 बजे से पहले है।

अधिक जानकारी के लिए .पया ग्राम पंचायत मन्नारघाट कार्यालय में संपर्क करें।

प्रधान, ग्राम पंचायत मन्नारघाट

शपथ पत्र

मैं, श्री रबीन्द्रानाथ साहा सुपुत्र स्वर्गीय रशिक लाल साहा निवासी शादीपुर, श्री विजय पुरम तहसिल के अंतर्गत, दक्षिण अण्डमान जिला, अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूह एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान और घोषणा करता हूँ :

1. कि मेरे आधार कार्ड संख्या 9911 3062 2755 मतदाता पहचान पत्र संख्या PRI3877420, पैन कार्ड संख्या EAVPS3315D और पी.पी.ओ. संख्या 713831705588 में मेरा नाम रबीन्द्रानाथ साहा उल्लिखित किया गया है।
2. कि मेरे पासपोर्ट संख्या N7249822 में मेरा नाम गलती से रवीन्द्रानाथ साहा उल्लिखित किया गया है।
3. कि मेरे जीवनसाथी माया साहा के नाम में जारी पासपोर्ट संख्या N7249821 जो अण्डमान एवं निकोबार प्रशासन द्वारा जारी किया गया है में गलती से मेरा नाम रवीन्द्रानाथ साहा उल्लिखित किया गया है।
4. कि मेरा वास्तविक और सही नाम रबीन्द्रानाथ साहा है जो उपरोक्त सभी अभिलेखों में उल्लिखित है।
5. कि रवीन्द्रानाथ साहा और रबीन्द्रानाथ साहा एक ही समान व्यक्ति है।
6. कि उपरोक्त बयान मेरी जानकारी और विश्वास में सत्य और सही है इसमें कुछ छुपाया नहीं गया है।

स्थान : श्री विजय पुरम शपथकर्त्ता

भारतीय तटरक्षक बल ने देश की समुद्री क्षमता को मजबूत करने पर दिया जोर

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। इंडियन कोस्ट गार्ड (आईसीजी) ने कर्नाटक के मदिकेरी में अपनी पहली जहाज निर्माण, स्वदेशी और आईटी कॉन्फ्रेंस की। यह देश की समुद्री क्षमता को मजबूत करने और आत्मनिर्भर भारत और डिजिटल बदलाव के विजन को आगे बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम है। इस कॉन्फ्रेंस में बड़े शिपयार्ड, इक्विपमेंट बनाने वाले, क्लासिफिकेशन सोसायटी और पूरे समुद्री इकोसिस्टम के विषय विशेषज्ञ एक साथ आए, जिससे सहयोग और नवाचार के लिए एक जबरदस्त प्लेटफॉर्म बना।

अपने उद्घाटन भाषण में आईसीजी के महानिदेशक परमेश शिवमणि ने स्वदेशी नवाचार, मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और मजबूत सप्लाई चेन के जरिए शिपबिल्डिंग में आत्मनिर्भरता हासिल करने की रणनीतिक जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने आईसीजी की ऑपरेशनल क्षमताओं को बढ़ाने में लगातार सपोर्ट के लिए भारतीय जहाज उद्योग और उपकरण निर्माताओं की तारीफ की। उन्होंने 200वें स्वदेशी रूप से बन रहे जहाज (चौथा पॉल्यूशन कंट्रोल शिप) की प्रगति को सराहा, जो अभी समुद्री परीक्षण से गुजर रहा है। यह जहाज आईसीजी के टेक्नोक्रेट्स की तकनीकी समझ और बेहतर इंजीनियरिंग का सबूत है।

उन्होंने प्रोजेक्ट डिजिटल कोस्ट गार्ड की लगातार प्रगति के बारे में भी बताया, जो सभी आईसीजी यूनिट्स में सुरक्षित और मजबूत डिजिटल बैकबोन बनाने के लिए डिजाइन की गई पहल है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि डिजिटल विस्तार को मजबूत साइबर सुरक्षा फ्रेमवर्क के साथ–साथ चलना चाहिए। कॉन्फ्रेंस के दौरान आईसीजी और कोयंबटूर डिस्ट्रिक्ट स्मॉल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, डिफेंस इनोवेशन एंड अटल इनक्यूबेशन सेंटर के बीच एक समझौता हुआ।

इस पार्टनरशिप का मकसद कोयंबटूर में डिफेंस इनोवेशन हब के जरिए स्ट्रक्चर्ड सहयोग को बढ़ावा देना, डिफेंस इनोवेशन इकोसिस्टम को मजबूत करना और स्वदेशीकरण की पहल को तेज करना है।

1 दिसंबर से बदल जाएंगे ये नियम, जानें इनका आप पर क्या असर होगा?

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। नवंबर अपने आखिरी पड़ाव पर है और दिसंबर दस्तक देने ही वाला है. हर महीने की तरह इस बार भी नए नियमों की एक लंबी लिस्ट तैयार है, जो आम आदमी से लेकर सीनियर सिटीजन और सरकारी कर्मचारियों तक, सबकी जेब, बजट और रोजमर्रा के खर्चों को प्रभावित करेगी. एलपीजी गैस से लेकर पेंशन, टैक्स और यूल प्राइस तक कई क्षेत्रों में बदलाव तय है. ऐसे में जरूरी है कि आप पहले ही इन अपडेट्स को समझ लें ताकि महीने की शुरुआत किसी झटके के साथ न हो. आइए जानते हैं दिसंबर से कौन–कौन से बदलाव लागू होने वाले हैं और इनका आप पर क्या असर होगा.

हर महीने की तरह 1 दिसंबर को भी एलपीजी सिलेंडर के दामों में बदलाव हो सकता है. सरकार आमतौर पर कमर्शियल सिलेंडर के रेट में फेरबदल करती है, जबकि घरेलू रसोई गैस के दाम लंबे समय से स्थिर बने हुए हैं. नवंबर में 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर के दाम में 6.50 रुपये की कटौती की गई थी. अब अगले महीने क्या बदलाव होंगे, यह देखना अहम होगा क्योंकि इसका सीधा असर आपके होटल, रेस्टोरेंट से लेकर घरेलू बजट तक पर पड़ सकता है.

सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ा अपडेट यह है कि यूनिफाइड पेंशन स्कीम (UPS) और नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS) में से किसी एक को चुनने की डेडलाइन 30 नवंबर तय की गई है. पहले यह समयसीमा 30 सितंबर थी, जिसे बढ़ा दिया गया था. अगर कोई कर्मचारी अपने पेंशन विकल्प को बदलना चाहता है, तो उसे 30 नवंबर से पहले यह प्रक्रिया पूरी करनी होगी, क्योंकि 1 दिसंबर के बाद संभावना है कि यह मौका उपलब्ध न रहे.

देश भर के करोड़ों पेंशनधारकों के लिए नवंबर काफी अहम है. पेंशन जारी रखने के लिए लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना अनिवार्य है. इसकी आखिरी तारीख भी 30 नवंबर ही है. अगर किसी वरिष्ठ नागरिक ने समय पर लाइफ सर्टिफिकेट जमा नहीं किया, तो दिसंबर से उनकी पेंशन रुक सकती है. इसलिए समय रहते बैंक या डिजिटल माध्यम से यह प्रक्रिया पूरी करना बेहद जरूरी है.

टैक्सपेयर्स के लिए भी महीने के अंत तक महत्वपूर्ण काम पूरे करने जरूरी हैं. यदि अक्टूबर में आपका टीडीएस कटौती के तहत आता है, तो सेक्शन 194–IA, 194–IB, 194M और 194S में स्टेटमेंट जमा करने की अंतिम तारीख 30 नवंबर है. इसके साथ ही जिन लोगों को सेक्शन 92E के तहत रिपोर्ट फाइल करनी होती है, वे भी 30 नवंबर की आखिरी तारीख को ध्यान में रखें, वरना आपको पेनाल्टी का सामना करना पड़ सकता है.

एलपीजी के साथ ही ऑयल कंपनियां हर महीने सीएनजी, पीएनजी और ATF यानी जेट फ्यूल के दामों में भी बदलाव करती हैं. दिसंबर की शुरुआत में इन ईंधनों के दामों में भी संशोधन हो सकता है. जेट फ्यूल की कीमतें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के हिसाब से अलग–अलग तय होती हैं और इनमें उतार–चढ़ाव का असर एयरलाइन उद्योग और टिकट की कीमतों तक पड़ सकता है.

अब हर हफ्ते अपडेट होगा क्रेडिट स्कोर, आरबीआई ने जारी की ड्राफ्ट गाइडलाइंस

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। भारतीय रिज़र्व बैंक ने देश की क्रेडिट रिपोर्टिंग व्यवस्था में बड़ा बदलाव प्रस्तावित किया है. नए नियम लागू होने के बाद ग्राहकों का क्रेडिट स्कोर हर 15 दिनों के बजाय अब हर हते अपडेट होगा. यह व्यवस्था 1 अप्रैल 2026 से लागू की जाएगी.

RBI द्वारा जारी ड्राफ्ट गाइडलाइन में कहा गया है कि क्रेडिट इंफॉर्मेशन कंपनियां महीने की 7, 14, 21, 28 तारीख और महीने के अंतिम दिन क्रेडिट डेटा अपडेट करेंगी. इसके लिए बैंकों को महीने की पूरी क्रेडिट फाइल अगले महीने की 3 तारीख तक भेजनी होगी.

बाकी हफ्तों में बैंकों को सिर्फ नए खुले अकाउंट, बंद अकाउंट, ग्राहक द्वारा किए गए बदलाव और खाते की स्थिति से जुड़े अपडेट दो दिनों के भीतर जमा कराने होंगे. यदि कोई बैंक समय पर डेटा नहीं भेजता, तो इसकी शिकायत DAKSH पोर्टल पर दर्ज की जाएगी.

साप्ताहिक अपडेट से ग्राहकों का सुधरा हुआ क्रेडिट स्कोर जल्दी दिखाई देगा. इससे लोन लेने में आसानी होगी और ब्याज दर भी कम पड़ सकती है, क्योंकि कई बैंक ब्याज दर को सीधे क्रेडिट स्कोर से जोड़ चुके हैं. क्रेडिट कार्ड लिमिट बढ़ाने और नए कार्ड ऑफर पाने में भी उपभोक्ताओं को फायदा होगा.

धीमी रिपोर्टिंग के कारण अब तक जिन लोगों को सुधार के बाद भी बेहतर स्कोर दिखने में देर लगती थी, उनकी परेशानी अब खत्म हो जाएगी.

नए नियमों से बैंकों को ग्राहकों का ताजा और सही क्रेडिट डेटा मिलेगा. इससे लोन मंजूरी की प्रक्रिया अधिक सटीक और जोखिम रहित होगी. बैंक यह तय कर पाएंगे कि किस ग्राहक को किस ब्याज दर पर लोन देना है. तेजी से अपडेट होते डेटा से बैंकिंग सिस्टम में पारदर्शिता बढ़ेगी और गलत डिफॉल्टर रिपोर्टिंग जैसी समस्याएं कम होंगी.

भारत की जनसंख्या नीति पर कोलकाता में महत्वपूर्ण सम्मेलन आयोजित

कोलकाता, 27 नवंबर। कोलकाता में आयोजित इंडियन एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ पॉपुलेशन के 46वें वार्षिक सम्मेलन में भारत की जनसंख्या नीति, युवाओं की भूमिका और सतत विकास को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। इसी दौरान संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष यानी यूएनएफपीए ने इंटरनेशनल यूनियन फॉर द साइंटिफिक स्टडी ऑफ पॉपुलेशन (आईयूएसएसपी) को वर्ष 2025 का प्रतिष्ठित संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या पुरस्कार प्रदान किए जाने पर औपचारिक रूप से सम्मानित किया। संगठन की अध्यक्ष डॉ. शिरीन जेजीभॉय ने कहा कि जटिल जनांकिकीय बदलावों के बीच तथ्य आधारित शोध नीति निर्माण की रीढ़ हैं और आईयूएसएसपी इसी लक्ष्य के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

सम्मेलन का विषय 'जनसंख्या, हमारा ग्रह और समृद्धि' था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय दक्षिण बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केएन सिंह मौजूद रहे। पश्चिम बंगाल सरकार के सचिव विजय भारती और नेशनल लाइब्रेरी के महानिदेशक प्रोफेसर एपी सिंह ने भी अपनी उपस्थिति थे। दीप प्रज्ज्वलन और स्मारक भेंट कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

उद्घाटन सत्र को यूएनएफपीए में भारत की प्रतिनिधि एंड्रिया वोजनर ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया और कहा कि भारत आज विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी के साथ एक जनांकिकीय परिवर्तन के केंद्र में है।

उन्होंने कहा कि भारत की समृद्धि इस बात पर निर्भर करेगी कि देश अपनी युवा जनसंख्या को अवसरों, शिक्षा और क्षमताओं के विकास से किस तरह सशक्त बनाता है। उन्होंने यह भी कहा कि मजबूत आंकड़ों, विज्ञान और वैश्विक साझेदारी पर आधारित जनांकिकीय नीतियां ही सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ने का मार्ग तैयार कर सकती हैं।

सम्मेलन में वक्ताओं ने जनसंख्या वृद्धि, प्रवासन, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, लैंगिक समानता, महिलाओं के अधिकार, स्थायी विकास और युवा शक्ति जैसे विषयों पर अपनी बात रखी। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में तेज जनसंख्या वृद्धि, ऊर्जा के नए विकल्पों में भारत की बढ़ती वैश्विक स्थिति और युवाओं की सामाजिक भागीदारी से जुड़े बिंदु भी प्रमुख रहे।

अंग्रेज अधिकारी के सुझाव पर कॉमनवेल्थ गेम्स की हुई थी शुरुआत, जिसमें हिस्सा लेते हैं चुनिंदा देश

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। कॉमनवेल्थ गेम्स का उद्देश्य खेल विविधता, मित्रता और खेल भावना को बढ़ाना है, जिसके जरिए देशों के बीच सांस्कृतिक आदान–प्रदान मजबूत होता है। ओलंपिक की तरह कॉमनवेल्थ गेम्स में भी कई लोकप्रिय खेल शामिल होते हैं, जिसमें खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच मिलता है। कॉमनवेल्थ गेम्स में वह देश हिस्सा लेते हैं, जिन पर ब्रिटेन ने शासन किया। इस खेल का सुझाव अंग्रेज अधिकारी जॉन एश्ले कूपर ने दिया था। तभी से कॉमनवेल्थ गेम्स की शुरुआत हुई।

साल 1930 में कनाडा में पहली बार कॉमनवेल्थ गेम्स की शुरुआत हुई। इसके बाद से प्रत्येक 4 वर्ष में इसका आयोजन होता है। हालांकि, विश्व युद्ध के चलते साल 1942 से 1946 के बीच इन खेलों का आयोजन नहीं हुआ था। हैमिल्टन 1930 के पहले कॉमनवेल्थ गेम्स में 11 देशों और क्षेत्रों ने इसमें भाग लिया था। आज इसमें 72 देश हिस्सा लेते हैं।

भारत ने 1934 में पहली बार कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा लिया, जिसमें सिर्फ दो ही खेलों में भारत ने दूसरे देशों को चुनौती दी। राशिद अनवर भारत की ओर से पहला कॉमनवेल्थ मेडल जीतने वाले खिलाड़ी बने, जिन्होंने रेसलिंग में यह पदक जीता। साल 1954 से 1966 तक इसे 'ब्रिटिश एंपायर गेम्स' के नाम से जाना जाता था। इसके बाद साल 1970 में इसे 'ब्रिटिश कॉमनवेल्थ गेम्स' के नाम से पहचान मिली। साल 1978 में इसका नाम बदलकर 'कॉमनवेल्थ गेम्स' किया गया।

भारत ने 2010 में पहली बार कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की। यह राजधानी नई दिल्ली में खेला गया था। अब भारत को दो दशकों के बाद कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी का मौका मिला है। अहमदाबाद में कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 का आयोजन होगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2010 अब तक भारत का सबसे सफल अभियान है, जिसमें उसने 101 पदक जीतकर मेडल टैली में दूसरा स्थान हासिल किया था। ऐसा एकमात्र बार हुआ, जब भारत ने एक संस्करण में 100 से ज्यादा पदक अपने नाम किए।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 में 15 से 17 गेम्स खेले जाएंगे। वर्ष 2030 का संस्करण सेंटेनरी कॉमनवेल्थ गेम्स भी कहलाएगा। कॉमनवेल्थ गेम्स में शामिल करने पर विचार किए जाने वाले खेलों में टी20 क्रिकेट, आर्चरी, शूटिंग, स्क्वैश, बैडमिंटन, 3x3 बास्केटबॉल और 3x3 व्हीलचेयर बास्केटबॉल, बीच वॉलीबॉल, साइकिलिंग, डाइविंग, हॉकी, जूडो, रिदमिक जिम्नास्टिक्स, रग्बी सेवन्स, ट्रायथलॉन, पैरा ट्रायथलॉन और रेसलिंग हैं।

उम्मीद की जा रही है कि जब भारत में कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन होगा, तो भारतीय खिलाड़ी एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करेंगे। एक बार फिर देश 100 से ज्यादा पदक जीतते हुए मेडल टैली में धाक जमाएगा।

इतिहास के पन्नों में 28 नवंबर : भारत के महान समाज सुधारक और क्रांतिकारी विचारक ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। आज ही के दिन 1890 में भारत ने अपने सबसे प्रखर सामाजिक क्रांतिकारियों में से एक, ज्योतिराव गोविंदराव फुले (ज्योतिबा फुले) को खो दिया। वे एक महान समाजसेवी, विचारक और सामाजिक न्याय के अग्रदूत थे, जिन्होंने अपने जीवन को जातिगत भेदभाव, छुआछूत, स्त्री–असमानता और सामाजिक अन्याय के खिलाफ समर्पित किया।

फुले ने अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर भारत में लड़कियों की पहली स्कूल की स्थापना की और शिक्षा को समाज के वंचित वर्गों तक पहुंचाने का ऐतिहासिक कार्य किया। उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना कर समानता, स्वतंत्रता और न्याय की आवाज को बुलंद किया। ज्योतिबा फुले के विचारों ने भारतीय समाज में सामाजिक परिवर्तन की नींव रखी और उन्हें दलित, वंचित और शोषित वर्गों के महान मुक्तिदाता के रूप में याद किया जाता है। 1890 में उनका निधन एक युग के अंत जैसा था, लेकिन उनके विचार आज भी भारतीय समाज को दिशा देने का काम करते हैं।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1520 – फर्डिनान्द मैगलन ने प्रशांत महासागर को पार करने की शुरुआत की।

1660– लंदन में द रॉयल सोसायटी का गठन हुआ।

1676– बंगाल की खाड़ी के तट पर पूर्वी भारत के उपजाऊ क्षेत्र और महत्वपूर्ण बंदरगाह पुड्डुचेरी पर फ्रांसीसियों का क़ब्ज़ा हो गया।

1814– द टाइम्स ऑफ लंदन को पहली बार स्वचालित प्रिंट मशीन से छापा गया।

1821– पनामा ने स्पेन से आजाद होने की घोषणा की।

1893– न्यूजीलैंड में राष्ट्रीय चुनाव में पहली बार महिलाओं ने मतदान किया।

1912– इस्माइल कादरी ने तुर्की से अल्बानिया के आजाद होने की घोषणा की।

1956– चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई भारत आए।

1996– कैप्टन इन्द्राणी सिंह एयरबस ए–300 विमान को कमांड करने वाली पहली महिला बनीं।

1997– प्रधानमंत्री आई के गुजराल ने अपने पद से इस्तीफा दिया।

2006– नेपाली सरकार और माओवादियों के मध्य हथियारों के मैनेजमेंट पर संधि सम्पन्न।

2007– दो एशियाई देशों के बीच मधुर होते रिश्तों के चलते द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद पहली बार चीन के युद्धपोत जापान भेजे गए।

2012– सीरिया की राजधानी दमिश्क में दो कार बम धमाकों में 54 मरे और 120 घायल हुये।

महिला प्रीमियर लीग 9 जनवरी से 5 फरवरी तक, नवी मुंबई और वडोदरा करेंगे मेजबानी

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 का आयोजन 9 जनवरी से 5 फरवरी तक किया जाएगा और इस बार टूर्नामेंट नवी मुंबई और वडोदरा में खेला जाएगा। लीग के चौथे सीज़न की आधिकारिक घोषणा गुरुवार को दिल्ली में प्लेयर ऑक्शन की शुरुआत में लीग चेयरमैन जयेश जॉर्ज ने की।

नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में टूर्नामेंट की शुरुआत होगी और यहीं पहला चरण खेला जाएगा। इसके बाद लीग वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में शिट होगी, जहां 5 फरवरी को फाइनल मुकाबला आयोजित किया जाएगा। यह पहली बार होगा जब डब्ल्यूपीएल जनवरी–फरवरी की विंडो में खेला जाएगा। इससे पहले तीनों सीज़न फरवरी–मार्च में आईपीएल से ठीक पहले आयोजित किए गए थे। इस बार लीग किसी भी अंतरराष्ट्रीय सीरीज से नहीं टकराएगी।

गुरुवार को डब्ल्यूपीएल के इतिहास की पहली मेगा नीलामी आयोजित हुई, जिसमें 2023 में शुरू हुई लीग में पहली बार टीमों को राइट–टू–मैच (आरटीएम) कार्ड का विकल्प दिया गया। डब्ल्यूपीएल खत्म होने के दस दिन बाद भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के ऑल–फॉर्मेट दौरे पर रवाना होगी, जिसमें 15 फरवरी से 9 मार्च तक तीन टी20, तीन वनडे और एक टेस्ट मैच खेला जाएगा।

डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस अब तक तीन में से दो खिताब अपने नाम कर चुकी है। 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु चैम्पियन बनी थी, जबकि दिल्ली कैपिटल्स हर बार उपविजेता रही है।

सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र से दिव्यांगों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी से निपटने के लिए कड़े कानून बनाने को कहा

नई दिल्ली, 27 नवम्बर।

सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र से दिव्यांगों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी से निपटने के लिए कड़े कानून बनाने पर विचार करने को कहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने आज केंद्र से दिव्यांगों और दुर्लभ आनुवंशिक विकारों से ग्रस्त व्यक्तियों का उपहास करने वाली अपमानजनक टिप्पणियों को अनुसूचित जाति–अनुसूचित जन जाति अधिनियम की तर्ज पर दंडनीय अपराध बनाने के लिए एक कानून बनाने को कहा है।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अभद्र, आपत्तिजनक और अवैध सामग्री को नियंत्रित करने के लिए एक तटस्थ, स्वतंत्र और स्वायत्त निकाय की आवश्यकता है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने इस बारे में पीठ को सूचित किया कि सरकार में कुछ दिशानिर्देश बनाने पर विचार हो रहा है। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हास्य किसी की गरिमा की कीमत पर नहीं हो सकता।

न्यायालय एसएमए क्योर फाउंडेशन की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। यह संस्था दुर्लभ स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी रोग से पीड़ित व्यक्तियों के लिए काम करती है। याचिका में इंडियाज़ गॉट लेटेंट के होस्ट समय रैना और सोशल मीडिया पर प्रभावशाली लोगों, विपुन गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर के चुटकुलों की निंदा की गई थी।

अदालत ने उन्हें भविष्य में अपने आचरण के प्रति सावधान रहने का निर्देश दिया। पीठ ने हास्य कलाकार रैना और अन्य को दिव्यांग व्यक्तियों, विशेष रूप से स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से पीड़ित लोगों के इलाज के लिए धन जुटाने के लिए दिव्यांग व्यक्तियों की सफलता की कहानियों पर प्रत्येक माह दो कार्यक्रम या शो आयोजित करने का भी निर्देश दिया।

पिनाकीनगर स्कूल के छात्रों के लिए एक्सपोज़र दौरा

श्री विजय पुरम, 27 नवम्बर।

मध्य अण्डमान के बिल्लीग्राउंड के पिनाकीनगर स्कूल के एक समूह ने 25 नवंबर, 2025 को कृषि के क्षेत्र में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने हेतु शैक्षणिक भ्रमण सह अध्ययन यात्रा के तहत आईसीएआर–कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), उत्तर व मध्य अण्डमान का दौरा किया।

प्रारंभ में, श्री राकेश दावर, विषय विशेषज्ञ (कृषि मौसम) ने विद्यार्थियों का स्वागत किया और उन्हें कृषि विज्ञान केंद्र की विभिन्न गतिविधियों और सुविधाओं के बारे में बताया, जिनमें फसल प्रदर्शन, मत्स्य पालन, कृषि यंत्रीकरण, एकीकृत कृषि प्रणाली और वर्मी कम्पोस्टिंग इकाइयाँ शामिल थीं। विद्यार्थियों ने आधुनिक कृषि पद्धतियों, जलवायु–सहिष्णु तकनीकों और खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने में सतत् कृषि के महत्व के बारे में भी सीखा।

श्री यथार्थ शर्मा, विषय विशेषज्ञ (गृह विज्ञान), ने विद्यार्थियों को कृषि विज्ञान केंद्र की अनिवार्यता एवं उद्देश्य, नवीन तकनीकों को कृषक समुदायों तक पहुंचाने में इसकी भूमिका और किसानों के लाभ के लिए लागू की जाने वाली प्रमुख गतिविधियों तथा विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कृषि एवं संबद्ध विज्ञानों में कॅरियर अवसरों, खेती में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका तथा ग्रामीण विकास में केवीके के योगदान पर भी प्रकाश डाला। यह दौरा युवाओं में कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों के प्रति रुचि उत्पन्न करने, नवाचार और कौशल विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह कार्यक्रम डॉ. जय सुंदर, निदेशक (कार्यवाहक), आईसीएआर–सीआईएआरआई, श्री विजय पुरम के समग्र निर्देशन में आयोजित किया गया। कुल 65 विद्यार्थी और शिक्षक इस भ्रमण में शामिल हुए।

टोक्यो डेफलिंपिक्स 2025 में भारतीय दल का शानदार प्रदर्शन, प्रधानमंत्री ने दी बधाई

नई दिल्ली, 27 नवम्बर।

जापान की राजधानी टोक्यो में 15 से 26 नवंबर तक आयोजित 25वें समर डेफलिंपिक्स 2025 में भारतीय खिलाड़ियों ने अब तक का अपना सबसे शानदार और ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में भारत ने कुल 20 पदक जीते, जिनमें 9 स्वर्ण, 6 रजत और 5 कांस्य पदक शामिल हैं। यह भारत की डेफलिंपिक्स इतिहास की सबसे बड़ी मेडल टैली है, जिस पर पूरे देश को गर्व है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय खिलाड़ियों के इस असाधारण प्रदर्शन पर बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि 9 गोल्ड सहित 20 मेडल हमारे एथलीटों की मेहनत, लगन और मजबूत इरादों का परिणाम है। प्रधानमंत्री ने सभी खिलाड़ियों, कोचों और सपोर्ट स्टाफ को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पूरा देश उनकी उपलब्धियों से गौरवान्वित है। वहीं केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने भी खिलाड़ियों को बधाई दी और कहा कि यह उपलब्धि भारत में खेलों के लिए बनाए जा रहे समावेशी और मजबूत इकोसिस्टम को दर्शाती है।

भारत की ओर से इस बार कुल 73 एथलीटों ने हिस्सा लिया, जो भारत का अब तक का सबसे बड़ा दल था। इनमें 45 पुरुष और 28 महिलाएं शामिल थीं। भारतीय दल ने 11 खेलों में प्रदर्शन किया, लेकिन सबसे शानदार नतीजे निशानेबाजी (शूटिंग) में देखने को मिले। शूटिंग में भारत ने कुल 16 मेडल जीते जिनमें 7 स्वर्ण, 6 रजत और 3 कांस्य शामिल थे। इसके अलावा, गोल्फ में 1 स्वर्ण, कुश्ती में 2 पदक, और कराटे में 1 पदक भी जीता गया।

ब्राजील में 2021 में हुए पिछले डेफलिंपिक्स में भारत ने सिर्फ 5 पदक जीते थे, जिनमें 3 स्वर्ण शामिल थे। इस बार की उपलब्धि दिखाती है कि भारतीय डेफलिंपियंस लगातार अपने प्रदर्शन में सुधार कर रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री और खेल मंत्री दोनों ने कहा कि भारत अपने खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाएँ और अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

गरिमा एवं देशभक्ति के साथ मनाया गया संविधान दिवस

श्री विजय पुरम, 27 नवम्बर।

अण्डमान महिला मंडल द्वारा माई भारत, श्री विजय पुरम के सहयोग से आज संविधान दिवस अत्यंत उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में डॉ. रमेश कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, जेएनआरएम, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने प्रभावशाली और प्रेरणादायी संबोधन में उन्होंने भारत के संविधान की महत्ता, मौलिक अधिकारों की सुरक्षा तथा नागरिकों द्वारा मौलिक कर्तव्यों के पालन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी से लोकतंत्र को सशक्त बनाने हेतु संवैधानिक मूल्यों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. कुमार ने प्रस्तावना का वाचन कर सभी उपस्थितों को संविधान की शपथ दिलाई।

श्री आकाश प्रकाश खोले, एजीएम, बीईएनएल, सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने संवैधानिक मूल्यों तथा उनकी आज के समय में प्रासंगिकता पर सारगर्भित वक्तव्य दिया। श्री सुख रंजन बिस्वास, संयुक्त निदेशक, माई भारत, ने भी उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए युवाओं और समुदाय को संविधान में निहित न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध रहने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने हेतु श्री देवदास पैक, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा प्रतिष्ठित व्यक्तित्व श्री गोरखनाथ पाटिल, अध्यक्ष, महाराष्ट्र मंडल; श्री के. सुब्रमणि, श्री अरविंद पाटिल, श्री आदि गणेश (शिक्षा विभाग), कुमारी माला बरुआ और श्रीमती तिलगावथी की उपस्थिति महत्वपूर्ण रही।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का सुचारु एवं सार्थक संचालन डॉ. सुनीता पाटिल द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। इससे पूर्व श्री गोपाल चंद्र बिस्वास, माई भारत ने उपस्थिति का स्वागत किया तथा धन्यवाद ज्ञापित किया।

'विजन फॉर सुजलाम भारत' शिखर सम्मेलन 28–29 नवंबर को दिल्ली में

नई दिल्ली, 27 नवम्बर।

केंद्र सरकार का जलशक्ति मंत्रालय 28–29 नवंबर को दिल्ली में "विजन फॉर सुजलाम भारत" शिखर सम्मेलन–2025 आयोजित करेगा। इस दो दिन के कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल करेंगे। केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय के अनुसार, सम्मेलन में देश में पानी की सुरक्षा और जल प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए बनाया गया रोडमैप पेश किया जाएगा। पिछले दो महीनों में छह बड़े राष्ट्रीय परामर्श हुए थे, जिनमें 2,800 से ज्यादा विशेषज्ञों, अधिकारियों और जमीनी स्तर पर काम करने वाले लोगों ने अपने सुझाव दिए। इनमें पानी के स्रोतों को मजबूत करना, भूजल का पुनर्भरण, गंदे पानी (ग्रे वाटर) का प्रबंधन, आधुनिक तकनीक का उपयोग, पीने के पानी की लगातार सप्लाई और समुदाय को जागरूक करने जैसे मुद्दे शामिल हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मुख्य सचिवों के सम्मेलन में सुझाई गई छह थीम आधारित बैठकों में से जल क्षेत्र से जुड़ी यह सबसे अहम बैठक है। मंत्रालय ने परामर्शों से मिले सुझावों के आधार पर जल स्रोतों को मजबूत करना, भूजल बढ़ाना, आधुनिक और प्रकृति–आधारित समाधान अपनाना, समुदायों को सशक्त बनाना और केंद्र व राज्यों के बीच बेहतर तालमेल बैठाना पांच बड़ी प्राथमिकताएं तय की हैं।

इस सम्मेलन में केंद्र और राज्य सरकारों के अधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञ, पंचायत प्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूह, एनजीओ और राष्ट्रीय जल पुरस्कार से सम्मानित लोग भी शामिल होंगे। उद्देश्य है कि सभी मिलकर ऐसी रणनीति तैयार करें, जिससे पानी का प्रबंधन और जल सुरक्षा लंबे समय तक बेहतर हो सके।

केंद्र सरकार ने 'टेक्स–रैम्प्स' योजना को मंजूरी दी, वस्त्र क्षेत्र में रिसर्च और इनोवेशन को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली, 27 नवम्बर।

भारत सरकार ने गुरुवार को वस्त्र क्षेत्र में रिसर्च, इनोवेशन और प्रतिस्पर्धा को मजबूत करने के लिए वस्त्र केंद्रित रिसर्च, मूल्यांकन, निगरानी, योजना और स्टार्ट–अप (टेक्स–रैम्प्स) योजना को मंजूरी दी है। वस्त्र मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि वित्त वर्ष 2025–26 से वित्त वर्ष 2030–31 की अवधि के लिए 305 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय वाली यह योजना आगामी वित्त आयोग चक्र के साथ समाप्त होगी और इसे केंद्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में लागू किया जाएगा, जो पूरी तरह से वस्त्र मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित होगी।

इस योजना के पांच प्रमुख घटक हैं, जिसमें रिसर्च एवं इनोवेशन; डेटा, विश्लेषण और निदान; एकी.त वस्त्र सांख्यिकी प्रणाली; क्षमता विकास और ज्ञान इको–सिस्टम; स्टार्ट–अप और इनोवेशन सहायता शामिल हैं। केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने योजना की घोषणा करते हुए कहा, "टेक्स–रैम्प्स योजना देश के वस्त्र क्षेत्र को सशक्त बनाने और राष्ट्र को स्थिर, प्रौद्योगिकी और प्रतिस्पर्धात्मकता में विश्व गुरू के रूप में स्थापित करने के लिए रिसर्च, डेटा और इनोवेशन को एक साथ लाती है।"

देश के वस्त्र और परिधान (टी एंड ए) इको–सिस्टम को भविष्य के लिए सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से, टेक्स–रैम्प्स को रिसर्च, डेटा प्रणालियों, इनोवेशन सपोर्ट और क्षमता विकास में जरूरी गैप को दूर करने के लिए डिजाइन किया गया है।

टेक्स–रैम्प्स योजना का लक्ष्य वैश्विक बाजारों में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना,रिसर्च और इनोवेशन इको–सिस्टम को मजबूत करना, डेटा–संचालित नीति–निर्माण में सुधार, रोजगार के अवसर पैदा करना और राज्यों, उद्योग, शिक्षा क्षेत्र और सरकारी संस्थानों के बीच गहन सहयोग को बढ़ावा देना है। सरकार ने बताया कि टेक्स–रैम्प्स योजना भारत के लिए एक लचीले, भविष्य के लिए तैयार और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी वस्त्र इको–सिस्टम के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

टोक्यो को पीछे छोड़ जकार्ता कैसे बना दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला शहर

जकार्ता, 27 नवंबर।

जकार्ता दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला शहर कैसे बना, इसकी कहानी किसी एक कारण से नहीं बल्कि कई दशकों में जमा हुए सामाजिक–आर्थिक बदलावों से मिलकर बनी है। संयुक्त राष्ट्र की नई शहरी आकलन रिपोर्ट (वर्ल्ड अर्बनाइजेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2025) के बाद यह साफ हो गया कि जकार्ता केवल इंडोनेशिया की राजधानी भर नहीं रहा, बल्कि एक ऐसा विशाल महानगरीय इलाका बन चुका है जिसने आबादी के मामले में टोक्यो को भी पीछे छोड़ दिया है।

आज जकार्ता और उसका विस्तृत महानगर क्षेत्र (जिसे जबोदेताबेक कहा जाता है) 4 करोड़ से अधिक लोगों को अपने भीतर समेटे हुए है, और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। जकार्ता की आबादी बढ़ने का सबसे बड़ा कारण देश के अंदर से हुआ भारी पैमाने का प्रवास है। इंडोनेशिया के ग्रामीण इलाकों, छोटे शहरों और दूर–दराज द्वीपों से लाखों लोग शिक्षा, रोजगार और बेहतर जीवन की तलाश में लगातार यहां आते रहे।

1970 के दशक तक यह शहर कुछ ही मिलियन की आबादी वाला था, लेकिन आर्थिक उदारीकरण, उद्योगों के विस्तार और सेवा क्षेत्र के तेज विकास ने जकार्ता को पूरे देश के युवाओं के लिए एक चुंबक की तरह आकर्षक बना दिया। यहां आने वाला अधिकांश प्रवासी युवा होता है, जिससे प्रा.तिक जनसंख्या वृद्धि भी तेज रहती है और हर दशक में महानगर की कुल जनसंख्या में बड़ा इज़ाफ़ा दर्ज होता है।

आर्थिक दृष्टि से जकार्ता इंडोनेशिया की धड़कन है। सरकार, कॉरपोरेट, बैंकिंग, स्टार्ट–अप, व्यापार, बंदरगाह और अंतरराष्ट्रीय निवेश–सबका केंद्र यही है। यही कारण है कि देश की आंतरिक माइग्रेशन स्ट्रीम का सबसे बड़ा हिस्सा यहीं ठहरता है। शहर के आसपास बन रहे उपनगर जैसे बोगोर, तंगेरांग और बेकासी ने जनसंख्या घनत्व को कई गुना बढ़ा दिया है। लोग भले ही काम के घंटे जकार्ता में बिताते हों, लेकिन रात में वे इन उपनगरों में लौट जाते हैं। इस तरह पूरा क्षेत्र एक विशाल शहरी जाल में बदल गया है, जो संयुक्त रूप से दुनिया का सबसे बड़ा 'शहरी समुच्चय' बनाता है।

इतनी बड़ी आबादी के साथ चुनौतियां भी उतनी ही बड़ी हैं। ट्रैफिक जाम, अव्यवस्थित निर्माण, जल–भराव, प्रदूषण, भू–धंसान, कचरा–प्रबंधन और भीड़–भाड़ ने जकार्ता को रहने की दृष्टि से मुश्किल शहरों में शामिल कर दिया है। सरकार ने राजधानी को बोर्नियो स्थित नए शहर नुसंतारा में स्थानांतरित करने का फैसला भी इसी अत्यधिक बोझ को देखते हुए किया। लेकिन इसके बावजूद जकार्ता की जनसंख्या घटती नहीं, बल्कि लगातार बढ़ती जा रही है, क्योंकि लोगों का मानना है कि अवसरों का असली केंद्र अभी भी यही है।

किस समय दवा लेना होता है सबसे ज्यादा प्रभावी? आयुर्वेद ने बताए हैं पांच काल

नई दिल्ली, 27 नवम्बर।

किसी भी परेशानी में समय पर दवा लेना काफी मायने रखता है। अगर सही समय पर दवा ली जाए तो आधा रोग वैसे ही खत्म हो जाता है।

आयुर्वेद में दवा लेने की टाइमिंग को लेकर सटीक जानकारी दी गई है कि किस समय पर कौन सी दवा अच्छे से काम करती है और क्यों उसी समय दवा लेनी जरूरी है।

आयुर्वेद में दवा लेने के सिद्धांत को काल से जोड़ा गया है। काल मतलब समय। चरक संहिता के अनुसार, "कालो हि भेषजं," यानी सही समय ही दवा का वास्तविक प्रभाव बढ़ाता है और ये तभी अच्छे से काम करती है, जब मनुष्य की शारीरिक प्रवृत्ति भी दवा के साथ मिलकर काम करे। आयुर्वेद में दवा लेने के सही समय को पांच भागों में बांटा गया है। पहला है सुबह खाली पेट दवा लेना। ये वो टाइमिंग होती है, जब शरीर किसी भी चीज का अवशोषण तेजी से करता है। इस समय ली गई दवा बहुत प्रभावी तरीके से काम करती है। आयुर्वेद में कमजोरी की दवा, मस्तिष्क की कमजोरी से जुड़ी दवा और ऑटोइम्यून बीमारी की दवा इसी समय दी जाती है।

दूसरा समय है दोपहर के लंच से पहले। इस समय शरीर में कफ की प्रवृत्ति बहुत ज्यादा होती है। ऐसे में इस वक्त कफ को कम करने वाली दवाओं का सेवन करने की सलाह दी जाती है। इस समय ली गई दवा कफ को कम करती है और जिन लोगों को भूख न लगने की परेशानी होती है, उन्हें भी खाने से पहले दवा लेने की सलाह दी जाती है। ये पाचन से जुड़ी परेशानियों के लिए दवा लेने का सही समय है।

तीसरा समय है डिनर के बाद। इस समय पित्त को शांत करने वाली दवा दी जाती है। आयुर्वेद के मुताबिक, इस समय शरीर का पित्त बढ़ा रहा है, और गैस, अल्सर, और पेट की गर्मी से जुड़ी दवा इसी समय दी जाती है। यह पेट की जलन को शांत करती है।

चौथा समय है डिनर के साथ दवा को लेना। यह समय औषधियों और दवाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ समय होता है। इस समय दवा शरीर को सीधा पोषण देती है और रक्त में घुल जाती है। इस समय शतावरी और अश्वगंधा लेना लाभकारी होता है।

पांचवां समय है रात को सोने से पहले। आयुर्वेद में इस समय को मरम्मत काल माना गया है। इस समय ली गई दवा शरीर पर गहरा प्रभाव डालती है। इस समय कब्ज और स्किन से जुड़ी दवाएं लेना सबसे ज्यादा लाभकारी होता है। दवा लेने की टाइमिंग औषधि और आयुर्वेद के समयानुसार निर्धारित की गई है। किसी भी दवा का सेवन चिकित्सक के परामर्श के बाद ही करें।